[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4339 **L**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B), AEC

Name of the Course : **COMMON PROG. GROUP**

Semester : II

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

समय : 2 घण्टे पूर्णांक : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ईशावास्योपनिषद् शाश्वत जीवन मूल्यों के व्यवहारिक पक्ष की चर्चा करती है, टिप्पणी कीजिए। 15
Ishavasyopanishad discusses the practical aspect of eternal life values, comment.

अथवा/Or

ईशावास्योपनिषद् के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए।
Describe the importance of Ishavasyopnishad

2. विद्या तथा अविद्या के मध्य अन्तर को स्पष्ट कीजिए। 15
Explain the difference between Vidya and Avidya .

अथवा/Or

ईशावास्योपनिषद् के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the nature of Brahma according to Ishavasyopnishad.

P.T.O.

3. जीवन में गीता दर्शन के महत्त्व का वर्णन कीजिए। 15

Describe the importance of Geeta Darshan in life.

अथवा/Or

वर्तमान समय में कर्मयोग की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the usefulness of Karmayoga in the present scenario.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पंणी लिखिए: 3×5=15

Write short notes on any **three** of the following:

क. ज्ञानयोग - Gyanayoga

ख. भक्तियोग - Bhaktiyoga

ग. सच्चिदानन्द - Sachchidananda

घ. स्थितप्रज्ञ - Sthitaprajna